

भाग जागे हैं- सबके साज-
आये हैं मैया चरणों में ॥२॥

मैया समझ तेरे चरणों में आये, अँसुअनजल-अँखियोंमें लगे
हँस के करियो-लँगुरिया के काज-आये हैं मैया चरणों में

भाग जागे हैं-----

मदिया तेरी-सुहानी लगी है, जगमग-जगमग ज्योत जली है
बाजे अँगना में सबरे साज-आये हैं मैया चरणों में-

भाग जागे हैं-----

ओ मैया तुम कितनीं भोली- हम दुखियों की भरियो झोली
तेरे हाथों में-सबकी लाज-आये हैं मैया चरणों में-

भाग जागे हैं-----

सारे जग की तुम हो माता-तुम जग जननी और जग दाता
सारी दुनियाँ में-तुमरो राज-आये हैं मैया चरणों में-

भाग जागे हैं-----

तुम नैया की खेवनहारी, कहें 'श्री बाबा श्री' सुनो अरज हमारी
फसो साया में-जग को जहान-आये हैं मैया चरणों में-

भाग जागे हैं-----